

22-1  
21

पचावली पेच ड्रॉ काल पासी का आवाज लगाने की  
बार-बार आवाज लगाने के कारण ही काल पासी माथे  
में हानि नहीं होने पर आगे 42 रॉज का आकाश  
आकाश पेशी में अधिक किण्वक है पचावली केवल  
गुनाह होकर लकल से कम होकर काल पासी

इति